प्राधिकृत अंक 23, 2009–2012

प्राधिकृत

गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी के हिन्दी–विभाग की रेफर्ड शोध–पत्रिका

अंक–23 2009–2012

सम्पादक

प्रो. (डॉ.) सुधा जितेन्द्र

हिन्दी–विभाग
गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी
अमृतसर–143 005

Pradhikrit
(Annual)
Research Journal of the Department of Hindi
Guru Nanak Dev University, Amritsar
Refereed Journal (Blind Referring)
ISSN 0972-3811

प्राधिकृत
(वार्षिक)

सम्पादक
प्रो. (डॉ.) सुधा जितेन्द्र

सलाहकार मण्डल

1 प्रो. शशिभूषण शीतांशु, अमृतसर
2 प्रो. मोहन, दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
3 प्रो. सुखविन्दर कौर बाठ, पटियाला
4 प्रो. आलोक गुप्त, अहमदाबाद, गुजरात
5 प्रो. अरुण होता, कोलकाता
6 प्रो. के. वन्जा, कोच्चि

अनुक्रम

	सम्पादकीय		
1	आधुनिक हिन्दी और पंजाबी कविता का सांस्कृतिक विश्लेषण (स्वतंत्रता आन्दोलन के संदर्भ में)	प्रो. सुधा जितेन्द्र	1
2	बिहारी की भावयित्री और कारयित्री प्रतिभा	डॉ. सुनीता शर्मा	25
3	श्रीनरेश मेहता के काव्य की व्याकरणिक–संरचना	डॉ. सुनील कुमार	39
4	शमशेर के काव्य में प्रकृति चेतना	प्रो. सुधा जितेन्द्र, अनुपाल	59
5	अशोक वाजपेयी की कविताओं में वर्णित सामाजिक समस्याएँ	प्रो. सुधा जितेन्द्र मनप्रीत कौर	67
6	''प्रसाद की चयनित कहानियों में भारतीय संस्कृति के तत्त्व''	डॉ. सरोज बाला	77
7	मधु कांकरिया का उपन्यास सलाम आखिरी : स्त्री शोषण की महागाथा	प्रोफेसर प्रदीप श्रीधर	89
8	वेयर डू आई बिलांग : डेनमार्क की धरती के अप्रवासी	डॉ. मधु संधु	95
9	अज्ञेय के काव्य में 'असाध्य वीणा' का सन्दर्भ	डॉ. सपना शर्मा	103
10	गुरु अर्जुन देव जीवन–चरित्र तथा बाणी : मानवीय समाज के लिए अनूठा मॉडल	डॉ. अशोक कुमार खुराना	113

सम्पादकीय

समय की अविरल धारा अपने वेगपूर्ण प्रवाह में गतिमान है। ज्ञान अपने विभिन्न अत्याधुनिक माध्यमों से काल से होड़ लेते हुए कदम–दर–कदम मिलाने की चेष्टा में दुगने वेग से चलायमान है। सूचना प्रौद्योगिकी के दनदनाते बुलेट समाज की शल्यचिकित्सा करते हुए उसके अमूल परिवर्तन में विभेदक भूमिका निभा रहे हैं। पूरे विश्व के गांव में परिवर्तित होने की अवधारणा बहुत पुरानी हो चुकी है। अब महत्त्वपूर्ण दृश्य परिवर्तन के परिणामों को है जिन्हें भाषा, संस्कृति, मूल्यों, खान–पान, रहन–सहन, सोच–विचार में लक्षित किया जा रहा है। हिन्दी भाषा और हिन्दी भाषा में लिखित साहित्य ने परिवर्तन के इन बिन्दूओं को बाखूबी पहचानते हुए ऐसा अभूतपूर्व लेखन प्रस्तुत किया है जिसमें हिन्दी भाषा का नया मुहावरा सृजित हो रहा है, उसकी भंगिमा में परिवर्तन लक्षित किए जा रहे हैं। विश्व में बढ़ते हुए हिन्दी के वर्चस्व ने उसे केवल बाजार की आवश्यकता ही नहीं बना दिया है बल्कि उसके तकनीकी एवं कार्यालयी पक्ष की सुदृढ़ता को भी यकीनी बनाया है।

हिन्दी साहित्य की विभिन्न परम्परागत विधाएं जहां 21वीं शताब्दी में अपने प्रौढ़तम उत्कर्ष पर हैं वहीं उन सभी की स्क्रीन प्रस्तुति ने इन विधाओं को नए–नए आयाम भी प्रदान किए हैं जिससे न सिर्फ हिन्दी की लोकप्रियता बढ़ी है बल्कि उसे अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति भी प्राप्त हुई है। जीवन के विभिन्न श्रेयों में ''भूमण्डलीकरण के कारण आए परिवर्तनों को रेखांकित करने में हिन्दी साहित्य ने महती भूमिका निभाई है, चाहे फिर वह क्षेत्र समाजार्थिक हो, राजनैतिक हो, धार्मिक हो, नैतिक हो या कोई और। मूल्य विघटन से मूल्य विहीनता तथा सांस्कृतिक शून्य के कारणों की पड़ताल भी हिन्दी साहित्य में की जा रही है जोकि प्रत्येक युग की परिवर्तित परिस्थितियों में आवश्यक भी है। हिन्दी साहित्य में नए मूल्य : नए संदर्भ' भी अनिवार्य स्थान बना चुके हैं। प्रश्न यह है कि क्या वस्तुस्थिति का अंकन मात्रा साहित्य का उद्देश्य है अथवा इससे बढ़कर भी कोई भूमिका साहित्य की है? उपभोक्तावादी समाज में हर वस्तु बाजार से जुड़ी है। क्या संस्कार और मूल्य भी किसी साफटवेयर से डाउनलोड किए जा सकते हैं? परिवर्तन और आधुनिकता के नाम पर अपना सर्वस्व मिटाकर जब पहचान ही नहीं रही तो आप क्या और मैं क्या? अस्तित्व की पहचान संभवतः समग्र राष्ट्रों के विलक्षण हाने का प्रमाण है। आज इतिहास और परम्परा का नकार नए संदर्भों में परिभाषित हो रहा है। साहित्य, समाज और संस्कृति से जुड़े विभिन्न संदर्भों को ही समर्पित

है यह अंक। **'हम कौन थे, क्या हो गए हैं और क्या होंगे अभी'** इस अंक के संकलन में प्रो. प्रदीप श्रीधर, प्रो. मधु संधु, डॉ. सुनीता शर्मा, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. अनुपाल, डॉ. मनप्रीत कौर, डॉ. सरोज बाला, डॉ. सपना शर्मा और डॉ. अशोक कुमार खुराना के साथ–2 निम्न हस्ताक्षरी ने इन्हीं संदर्भों को स्पष्ट किया है।

प्रस्तुत अंक संयुक्तांक के रूप में आपके समक्ष है। विश्वविद्यालीय स्तर के अनुरूप शोध मानकों पर खरा उतरने के लिए एक रेफर्ड शोध–पत्रिका के किए जाने वाले आरम्भिक प्रयत्न समय की अतिरिक्त मांग करते ही है। मैं इस प्रेरणा के सूत्रधार अपने माननीय वाइस चांसलर प्रो. अजायब सिंह बराड़ जी की हार्दिक धन्यवादी हूं जिन्होंने यूनिवर्सिटी की अन्य अकादमिक गतिविधियों की गुणवत्ता के साथ–साथ पत्रिकाओं के अकादमिक स्तर को ऊंचा रखने के लिए निरन्तर प्रोत्साहन दिया। आगामी अंक उपर्युक्त विभिन्न औपचारिकताओं से भिज्ञ रहते हुए शीघ्र ही प्रकाशित होगा। ऐसी पूर्ण आशा है।

सुधा जितेन्द्र

ISSN 0972-3811

प्राधिकृत

गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी के हिन्दी–विभाग की रेफ़र्ड शोध–पत्रिका

अंक–23 2009–2012

सम्पादक
प्रो. (डॉ.) सुधा जितेन्द्र

हिन्दी–विभाग
गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी
अमृतसर–143 005

SUBSCRIPTION RATES

	India	*Life Membership*
Individual	Rs. 150.00 per copy	Rs. 2500/-
Institutions	Rs. 300.00 per copy	Rs. 6000/-

Subscriptions are to be sent to the Professor Incharge, Publication Bureau, Guru Nanak Dev University, Amritsar through Cheque/Bank Draft drawn in favour of Registrar, Guru Nanak Dev University, Amritsar.

Published by Dr. Sharanjit Singh Dhillon, Registrar and Printed by
Dr. Raminder Kaur, Professor Incharge, Publication Bureau
Guru Nanak Dev University, Amritsar-143 005.

Form 4
(See Rule 8)

Place of Publication	Guru Nanak Dev University, Amritsar
Periodicity of Publication	Annual
Printer's Name Nationality Address	Dr. Raminder Kaur Indian Professor-in-charge, Publication Bureau Guru Nanak Dev University Amritsar-143005-India
Publisher's Name Nationality Address	Dr. Sharanjit Singh Dhillon Indian Registrar Guru Nanak Dev University Amritsar-143 005-India
Editor's Name Nationality Address	Dr. Sudha Jitender Indian Head Departdment of Hindi Guru Nanak Dev University Amritsar-143 005-India
Names and addresses of the individuals who own the Journal and of the partners or share-holders holding more than one percent of the total capital.	Guru Nanak Dev University Amritsar-143 005-India

I, Dr. Sharanjit Singh Dhillon, Registrar, Guru Nanak Dev University Amritsar-143 005, India, hereby, declare that the particulars given above are true to the best of my knowledge and belief.

Sd/-

Sharanjit Singh Dhillon

गुरू नानक देव विश्वविद्यालय में उपलब्ध
हिन्दी – प्रकाशन

		पृष्ठ	मुल्य
1.	**हिन्दी लेखक कोश** (सम्पादकीय मण्डल)	404	250.00
2.	**पंजाब की हिन्दी कहानी** (स्वतंत्रता पूर्व) (सम्पादक : डा. विनोद शाही)	141	150.00
3.	**पंजाब की हिन्दी कहानी** (स्वातंत्र्योतर) (सम्पादक : डा. तरसेम गुजराल)	146	150.00
4.	**प्रीत नगर (धुंधली परछाईयां)** ऊर्मिला आनन्द अनुवादिका : डा. सुधा जितेन्द्र	90	100.00
5.	**जीवन बृत्तांत बाबा आला सिंह** (डा. किरपाल सिंह) अनुवादिका: डा. सुधा जितेन्द्र	116	100.00
6.	**पंजाब की हिन्दी कविता (आधुनिक)** (संपादक : डा. मोहन सपरा)	158	150.00
7.	**फ़ौज–ए–ख़ास** **महाराजा रणजीत सिंह एवं उनके फांसीसी अफसर** लेखक: यों–मारी लाफों (यों मारी लाफों) अनुवादिका: डा. सुधा जितेन्द्र	242	350.00 (ड) 250.00 (प)
8.	**गुरमुखी लिपि में उपलब्ध** **हिन्दी भक्ति साहित्य** डा. हरमहेन्द्र सिंह बेदी	346	110.00
9.	**कालजयी कबीर** डा. हरमहेन्द्र सिंह बेदी	216	160.00(ड) 120.00(प)
10.	**बातें शेरे पंजाब की** लेखक: डा. जोगिन्द्र सिंह कैरों अनु: डा. सेवा सिंह	112	200.00(ड) 100.00(प)
11.	**पंजाब की हिन्दी कविता** लेखक : डा. देस राज	280	120.00